ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

Book Issue Slip

Member No. : 1216 **Mobile Number :** 7984201682 **Receipt No. :** A1269
Member Name : मेघयशविजय **Total Issued :** 53
Address : सरगम फ्लेट, धरणीधर, वासणा
Issue Date : 18/07/2023 **Last Date :** 16/10/2023

Sr No.	Vargank No.	Kruti Name
1	AL05398	ध ओफरींग ध स्टोरी ओफ एकलव्य एन्ड द्रोणाचार्य (THE OFFERING THE STORY OF EKLAVYA AND DRONACHARYA)
2	AL01903	तुजुक ए जहाँगीरी
3	AL01904	इतिहास पुरुष राजा भोज
4	AL01955	बर्नियर की भारत यात्रा
5	AL05250	सम्भाजी
6	AL07115	खालिस्तान षडयंत्र की इनसाइड स्टोरी
7	AL07113	ऑपरेशन ब्लू स्टार का सच
8	AL07109	मैं पाकिस्तान में भारत का जासुस था
9	AL07143	हिमालय में एक प्रलय (मेरा केदारनाथ अनुभव)
10	AL07142	डार्क हार्स
11	AL06506	मृत्यु से मुलाकात
12	AL05614	कुंडलिनी शक्ति (योग तान्त्रिक साधना प्रसंग)
13	AL02717	रोम रोम में राम
14	AL02406	कवि विश्व
15	AL03479	समय
16	AL03476	सितारे
17	AL03451	व्यंग्य चित्रोमें शब्द परिचय (सचित्र)
18	AL03458	365 दिवसनो ज्ञान विज्ञाननो ज्ञानभंडार (भाग 1)
19	AL05472	पांजरापोल एक आगवी ओळख
20	AL05471	झवेरीवाड अमदावादनी एक आगवी अस्मिता
21	AL05466	रहस्योथी भरेली दुनिया
22	AL05462	अज्ञात दर्शन
23	AL05459	शाश्वत चैत्यनी भावयात्रा सचित्र
24	AL05440	रामायण 3392 एडी भाग 2 (Ramayana 3392AD Vol 2)
25	AL02305	जैन एवं बौद्ध धर्म

AL05398

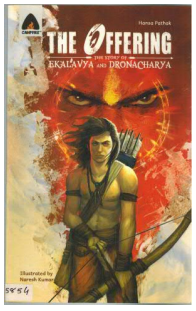

AL01903

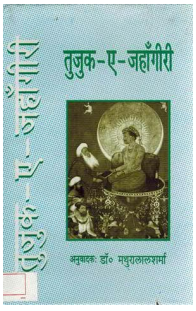

AL01904

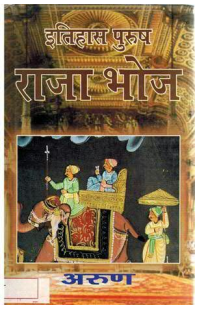

AL01955

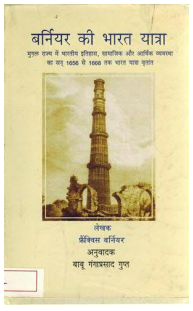

AL05250

AL07115

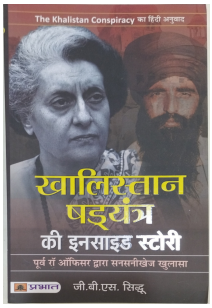

AL07113

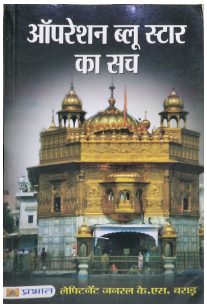

AL07109

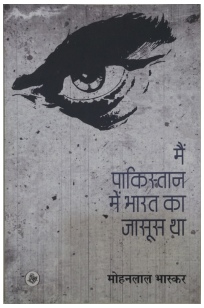

AL07143

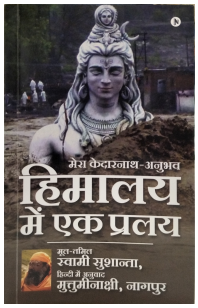

AL07142

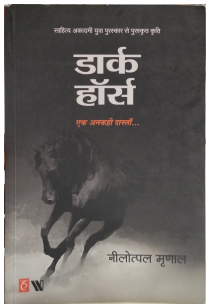

AL06506

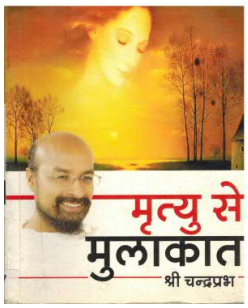

AL05614

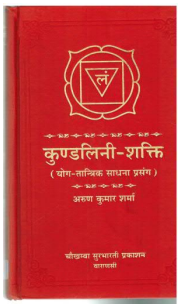

AL02717

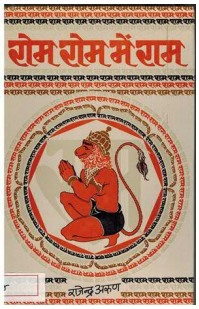

AL02406

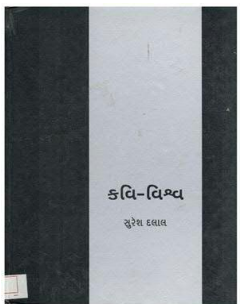

AL03479

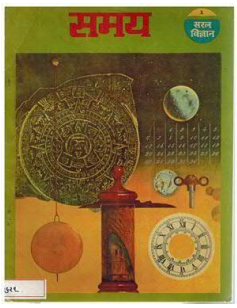

AL03476

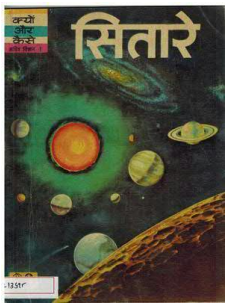

AL03451

AL03458

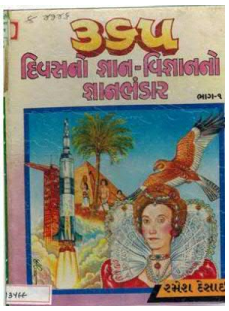

AL05472

AL05471

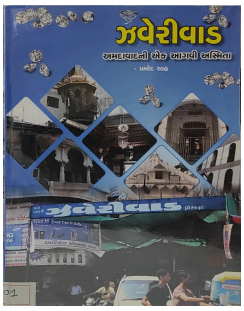

AL05466

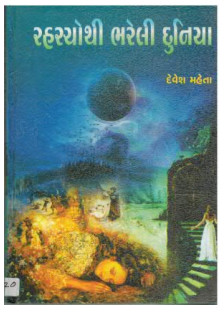

AL05462

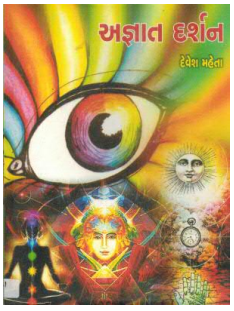

AL05459

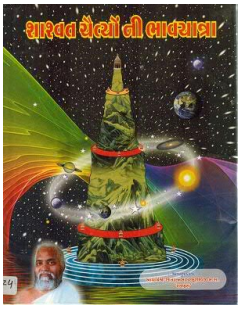

AL05440

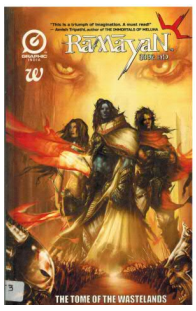

AL02305

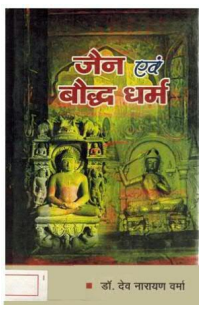

Notes : AL05398, AL01903, AL01904, AL01955, AL05250, AL07115, AL01955, AL07113, AL07109, AL07143, AL07142, AL06506, AL05614, AL02717, AL02406, AL03479, AL03476, AL03451, AL03458, AL07142, AL05472, AL05471, AL05466, AL05462, AL05459, AL05440, AL02305 - नुपेनभाई - 7984201682

AL - लोकप्रिय साहित्य विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By

Book Issue By

संस्थाना नियमो :

1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.

2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्यु करावबु अनिवार्य छे.

3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किंमत करता वधु होई शके छे.